अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2023) दिनांक : 23.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 किन्हीं अठारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 18

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) अनुशास्ता व्यवस्था तंत्र का संचालन किस आदर्श के आधार पर करते हैं?

(ख) आचार्य भिक्षु ने कब व कहां आन्तरिक आलोक प्राप्त किया?

(ग) गुरू का अनुग्रह कौन प्राप्त कर सकता है?

(घ) आचार्य भिक्षु ने चंडावल में क्यों और कितनी साध्वियों का संघ से विच्छेद किया?

(ङ) 'आत्मा का ही दमन-समन करना चाहिए।' यह किस सूत्र में बताया गया है?

(च) तुम्हें उनसे चर्चा करने का त्याग है। आचार्य भिक्षु ने यह कथन किससे और किसके लिए कहा?

(छ) प्राचीन परम्परा में आचार्य का काम क्या था?

(ज) धर्मसंघ को स्वाध्याय के लिए प्रेरित करने के लिए आचार्य भिक्षु ने मुनि भारमल जी को क्या निर्देश दिया?

(झ) तेरापंथ धर्मसंघ चतुर्विध धर्मसंघ कब बना?

(ञ) अंग्रेज लेखक टैलिरेंड के अनुसार कौन सा नेतृत्व सही है?

(ट) 'कुसले पुण णो बद्धे णो मुक्के' इस आगम वाणी का अर्थ क्या है?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर दें)

(ठ) आंशिक संयमी के खाने-पीने की समसत क्रियाएं सावद्य क्यों है?

(ड) आचार्य भिक्षु ने वीतराग को किस रूप में स्वीकार किया है?

(ढ) गांधीजी की शिक्षा का पालन करने से आश्रम में कौन से दोष लुप्त हो गए?

(ण) से केणट्ठेणं भंते! एवमुच्चइ? इस आगम कथन का अर्थ क्या है?

(त) कर्त्तव्य और सहयोग कौन सी प्रवृत्ति है?

(थ) द्वादशांगी की आराधना कौन सा धर्म है?

(द) आचार्य भिक्षु के अनुसार दोषों को छिपाने वाला कौन होता है?

(ध) किस वृत्ति के कारण साधुओं की अनुशासन भावना क्षीण होती है?

(न) आत्मोन्नति के दो मार्ग कौन-कौन से हैं?

(प) आचार्य भिक्षु के अनुसार व्यक्ति का संपूर्ण परिष्कार कैसे हो सकता है?

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली–21

प्र. 2 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'कसणी तो धीरा सहै' कथन को घटना प्रसंग से सिद्ध करें।

(ख) संघ और अनुशासन का संबंध शरीर और प्राण का संबंध है। स्पष्ट करें।

प्र. 3 घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली विलक्षण थी। 15

अथवा

घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि नैसर्गिक नेतृत्व क्षमता अवसर मिलते ही अभिव्यक्त हो जाती है और आचार्य भिक्षु के जीवन में इसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता–21

प्र. 4 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) संघ से पृथक्करण के विधि विधान और पालनीय नियमों का उल्लेख करें।

(ख) संयम की तीन कोटियों का विवेचन करें।

प्र. 5 जैन आगमों और विभिन्न विचारकों के विचारों द्वारा धर्म के विभिन्न भेदों का विवेचन करें। 15

अथवा

'साधन और साध्य' के सिद्धान्त का विशद विवेचन करें।

अनुकंपा की चौपाई–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 5

(क) मेघकुमार ने हाथी के भव में कष्टों को सहन किया उसका परिणाम क्या हुआ?

(ख) साधु मोक्ष का दलाल कब बनता है?

(ग) भैसों को ललकारने के कौन-कौन से जीव बच सकते हैं?

(घ) नव कोटि प्रत्याख्यान किसे कहते हैं?

(ङ) गोशालक को बचाने से क्या-क्या घटित हुआ?

(च) चूलनीपिता देव कृत किन-किन कष्टों में समभाव से रहे?

(छ) साधु का सम्यक्त्व कब चला जाता है?

(ज) देवता ने धारिणी रानी के किस दोहद को पूरा किया और यह कौन सी अनुकम्पा है?

प्र. 7 जीव दया के मौलिक दृष्टांतों का विवेचन करें। 10

अथवा

ढाल चार के आधार पर सिद्ध करें कि ज्ञान दर्शन, चारित्र के बिना कोई मुक्ति का साधन नहीं है।

प्र. 8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 15

(क) मूंन साझ रह्या ते संत, तिके करे संसार रो अंत।
परिणामज राखे सेंठा, धर्म घ्यान मांहे रहे बेठा।।

(ख) साध नें लब्दू न फोडवीजी, कह्यो सूतर भगोती रे मांय।
पिण मोह कर्म वस राग थी जी, लीयो गोसालो बचाय।।

(ग) अनुकंपा में आगन्या, तीर्थंकर नी होय।
सावज्ज निरवद ओलखो, सूतर स्हामों जोय।।

(घ) दया अनुकंपा आदरे, तिण आतम आंणी ठाय।
मरतो देखे जगत नें, सोच फिकर नहीं कांय।।

भिक्षु वाणी–10

प्र. 9 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 10

(क) आंबा सूं.....तणी ए।

(ख) धर्म

(ग) साध्वाभास

(घ) कामभोग

(ङ) विनीत-अविनीत